



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 513] नई दिल्ली, शुक्रवार, दिसम्बर 18, 1992/अग्रहायण 27, 1914
No. 513] NEW DELHI, FRIDAY, DECEMBER 18, 1992/AGRAHAYANA 27, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

संसदीय कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली 17 दिसम्बर, 1992

सा. का. नि. 935(अ).— केन्द्रीय सरकार, संसद अधिकारी वेतन और भत्ता अधिनियम, 1953 (1953 का 20) की धारा 8 के साथ पठित, धारा 11 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य सभा के सभापति और लोक सभा के अध्यक्ष के परामर्श से संसद अधिकारी (मोटर कार अधिनियम) नियम, 1953 का निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम संसद अधिकारी (मोटर कार अधिनियम) संशोधन नियम, 1992 है।

2. ये नियम इनके शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

3. ससब अधिकारी (मोटरकार अधिनियम), नियम, 1953 के नियम 2 में, "पन्द्रह हजार रुपए" शब्दों के स्थान पर "पचास हजार रुपए" शब्द रखे जाएंगे।

[फा स. 13 (1)/92—डब्ल्यू एम]

एम. एम. राजेन्द्रन, सचिव

MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 18th December, 1992

G.S.R. 935(E).—In exercise of the powers conferred by section 11 read with section 8 of the Salaries and Allowances of Officers of Parliament Act, 1953 (20 of 1953), the Central Government, in consultation with the Chairman of the Council of States and the Speaker of the House of the People, hereby makes the following rules further to amend the Officers of Parliament (Advances for Motor-Cars) Rules, 1953, namely :—

1. These rules may be called the Officers of Parliament (Advances for Motor-Cars) Amendment Rules, 1992.
2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In rule 2 of the Officers of Parliament (Advances for Motor-Cars) Rules, 1953, for the words "rupees fifteen thousand", the words "rupees fifty thousand" shall be substituted.

[F. No. 13(1)/92-WS]

M. M. RAJENDRAN, Secy.